विषाण *m. n.* (r. 2. विष् s. part. praes. *A.* आन) 1) cornu *bestiae.* Hit. 108. 4. Mah. 2. 2113. 2) rostrum, proboscis. 3) dens eminens, *e. c. apri.* Dr. 8. 21.

विषाद *m.* (r. सद् sidere, tabescere praef. वि s. अ) consternatio, conturbatio, terror. Su. 2. 25. 4. 20. Dr. 8. 3. Bh. 18. 35.

विषादिन् (a praec. s. इन्) conturbatus, animo consternatus. Bh. 18. 23.

विषु *Adv.* 1) multum. 2) aeque.

विषुव *n.* (a praec. s. अ vel व) aequinoctium. Hit. 114. 22.

विषुवत् *n.* (a विषु s. वत्) *id.* Am.

विष्ट v. विश्, विष्.

विष्टर *m.* (r. स्तॄ praef. वि s. अ, nisi a विष्ट sedens - r. विश् - suff. र) sedes, sella. Ur. 92. 8.

विष्टा *f.* v. 3. विष्.

विष्णु *m.* deus *Vischnus.*

विस *n.* fibra nymphaeae. Megh. 11.

विसर्ग *m.* (r. सृज् praef. वि s. अ) emissio, creatio. Bh. 8. 3.

विसर्जन *n.* (r. सृज् praef. वि s. अन) relictio. N. 10. 15.

विसर्पिन् (r. सृप् praef. वि s. इन्) egrediens. Ur. 10. 18.

विसूरण *n.* (r. सूर् praef. वि s. अन) moeror.

विस्तर *m.* (r. स्तृ vel स्तॄ praef. वि s. अ) expansio, extensio, amplitudo, copiosa narratio. Su. 1. 1. Sa. 2. 6. N. 12. 76. Bh. 10. 19.

विस्तरशस् *Adv.* (a praec. s. शस्) fuse, copiose. Bh. 11. 2.

विस्तीर्ण v. स्तॄ praef. वि.

विस्तीर्णता *f.* (a praec. s. ता) latitudo, magnitudo, amplitudo. Hit. 90. 16.

विस्पष्ट v. r. स्पश्.

विस्मय *m.* (r. स्मि ridere praef. वि s. अ) admiratio, stupor.

विस्मित v. स्मि praef. वि.

विह, aër *solum in sequentibus composs. invenitur.* (*Vid.* विहायस्.)

विहग *m.* (e praec. et ग iens) avis. Dr. 6. 2. N. 12. 16.

विहङ्ग *m.* (e विह aër in *Accus.* et ग iens) avis.

विहङ्गम *m.* (ex *Accus.* vocis विह aër et गम iens) avis. *Fem.* विहङ्गमा. N. 16. 15.

विहर्तृ *m.* (r. हृ capere, rapere, praef. वि s. तृ) raptor. Dr. 8. 46.

विहायस् (r. हय् ire praef. वि s. अस्) 1) *n.* aër. Am. 2) *m.* avis. Am.

विहायसा *Adv.* (*Instr.* praec.) per aërem. H. 3. 5.

विहार *m.* (r. हृ capere praef. वि s. अ) 1) ambulatio. Bh. 11. 42. 2) oblectatio, voluptas, gaudium. Su. 1. 34. 4. 6. 3) templum. Hit. 49. 10.

विहारिन् (r. हृ praef. वि s. इन्) pervagans, peragrans. Hit. 16. 21.

विहित v. धा praef. वि.

विहीन v. हा praef. वि.

विह्वल (r. ह्वल् se movere praef. वि s. अ) agitatus, commotus.

वी 2. *P.* 1) ire, adire. Rigv. 35. 9.: वेति सूर्यम्. 2) adipisci, accipere. Rigv. 76. 4.: वेषि होत्रम्. 3) desiderare, amare. Rigv. 48. 6.: पद्न् न वेति. 4) comedere. Rigv. V. 57. 6.: व्यन्तु हवींषि (v. Westerg. et cf. वीज्).

वीचि *m. f.* unda. Hit. 107. 7.

वीज् 10. *P.* ventilare, afflare. R. Schl. II. 26. 11.: व्यजनाभ्याश्च ... वीज्यते नु तवा ’ननम्; Ghat. 15.: वायुवीजित. (Cf. विज्, lat. *vigeo.*)

c. अनु *i. q. simpl.* In. 2. 9.: वायुभिश्चा ’नुवीजित

c. उत् *id.* In. 2. 2.

c. उप *id.* Mah. 1. 1308.

वीज *n.* semen. Dr. 8. 10.

वीणा *f.* cithara, lyra.

वीत v. इ praef. वि, et r. व्ये.

वीतमत्सर (*Bah.* e वीत qui abiit, profectus, et मत्सर invidia) profectam invidiam habens, liber ab invidiâ. In. 4. 8.

वीतमन्यु (*Bah.* e वीत profectus et मन्यु moeror) profectum moerorem habens, liber a moerore. Br. 1. 6.

वीथी *f.* (ut videtur, a r. वी ire s. *unâd.* थ in *fem.*) via. Sak. 45. 3. In. 2. 12.

Universität zu Köln Seminar für Indologie